सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 99 पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 13 मई, 2025

मूल्य ₹ 3/-

मंजिल या लक्ष्य तक पहुंचने से ज्यादा महत्वपूर्ण यात्रा अच्छे से करना होता है।
–महात्मा बुद्ध

उतार चढ़ाव से भरा रहा है कोहली... 7 | बंगाल में मंदिर के सहारे... 3 | भाजपा सरकार में आम जनता... 2

तानाशाही फरमान को भारी चोट

4PM पर प्रतिबंध लगाने के अपने आदेश से पलटी सरकार

- वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल के साथ मोहम्मद हैदर और तल्हा ने भी बहस की
- भारत सरकार ने सुप्रीमकोर्ट में दिया हलफनामा
- 4PM नेशलन न्यूज चैनल को पूर्ण राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिरकार भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर साफ कर दिया है कि उसने जो 4पीएम न्यूज यूट्यूब चैनल पर पाबंदी लगाई थी उसे हटा लिया है। गौरतलब है कि लाखों दिलों पर राज करने वाले 4पीएम न्यूज यूट्यूब चैनल को सरकार ने बिना किसी नोटिस और पूर्व सूचना के यूट्यूब से हटवा दिया था। संपादक संजय शर्मा ने इस जीत को हवा का ठंडा झोका बताया है और खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि जनहित के मुद्दों पर चैनल पूर्व स्टैंड पर डटा रहेगा और किसी भी उत्पीड़नात्मक कार्रवाई का डट कर मुकाबला करेगा।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि यूट्यूब चैनल 4पीएम नेशनल चैनल पर लगाई गई पाबंदी हटा ली गई है। सरकार की ओर से यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दी गई। इससे पहले 4पीएम नेशनल चैनल पर कुछ समय पहले प्रतिबंध लगाया गया था, जिसके खिलाफ याचिका दाखिल कर इस रोक को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से दावा किया गया था कि यह कार्रवाई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है। सरकार ने कोर्ट को बताया कि पुनर्विचार के बाद 4पीएम नेशनल चैनल पर से प्रतिबंध हटा लिया गया है, और अब फिर से 4पीएम नेशनल चैनल सक्रिय हो गया है।

कपिल सिब्बल का मिला साथ

संजय शर्मा ने कहा कि इसी हिम्मत के साथ मैं सुप्रीम कोर्ट चला गया। मेरे साथ देश के सबसे बड़े वकील कपिल सिब्बल खड़े हो गये। कपिल सिब्बल के साथ ने भक्तों का जैसे चैन छीन लिया। उनके पेट में बहुत ज़ोर से दर्द हुआ। वे सोशल मीडिया पर मुझे डिस्क्रेडिट करने में जुट गये कि मैं कपिल सिब्बल की फ़ीस कैसे चुका सकता हूं! भक्तों के अरमान हैं कि सरकार किसी पर कोई कार्रवाई करे और पीड़ित पक्ष कोर्ट तक न पहुंच पाये। लेकिन ऐसे पीड़ितों के साथ कपिल सिब्बल जैसे वकील को देख कर भक्तों की हालत बहुत ज्यादा ख़राब हो जाती है।

लिया बैन का आदेश वापस

न्यायालय को अवगत कराया

सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि केंद्र सरकार ने 4पीएम नेशनल चैनल यूट्यूब चैनल के खिलाफ पारित रोक आदेश वापस ले लिया। चैनल के संपादक संजय शर्मा का प्रतिनिधित्व कर रहे सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की खंडपीठ को पूरे मामले के बारे में अवगत कराया। एक हफ्ते पहले जब 4पीएम न्यूज यूटयूब चैनल ने सुप्रीम कोर्ट में इस दमानात्मक कार्रवाई के विरूद्ध संघर्ष का बिगुल बजाया था तो विश्व के कोने–कोने से सोशल मीडिया के माध्यम से उसके पक्ष में आवाज बुलंद हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वकील कपिल सिब्बल ने 4पीएम न्यूज यूटयूब चैनल का पक्ष कोर्ट में रखा और दलीलें प्रस्तुत की। कोर्ट ने सरकार को अपना पक्ष रखने का एक हफ्ते का समय दिया था।

4PM के बैन को पूरे देश ने बताया था गलत

देश के सबसे लोकप्रिय यूट्यूब चैनल 4 पीएम के बैन के दूसरे दिन भी उसके समर्थन में पूरे देश से आम लोगों के साथ खास ने भी आवाज बुलंद की। सपा, राजद, कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी जैसे राजनीतिक दलों के साथ कई वरिष्ठजनों, शिक्षाविदों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने चैनल पर बैन को गलत बताया। पत्रकार जगत के पुण्य प्रसून बाजपेई, रवीश कुमार व अजित अंजुम ने भी सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाया था। जनता का मूड, जनता के मुद्दे और जनता की आवाज बन हमने संविधान प्रहरी का काम किया। 4पीएम की यही बात सरकार को अखर गयी और उसने आवाज पर ताला लागने की नीयत से चैनल को बंद कर दिया। बाहरहाल जनता का जनसमर्थन, सामाजिक संगठनों की आवाज और राजनीतिक व्यक्तियों का साथ 4पीएम की ऐसी ताकत बना कि सरकार को बैकफुट पर जाना ही पड़ा।

BREAKING| केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, '4PM News' यूट्यूब चैनल पर लगाई गई रोक वापस ली
Shahdat
13 May 2025 1:20 PM
Share this

मैं तटस्थ रहा : संजय शर्मा

संपादक संजय शर्मा ने कहा कि सरकार ने यूट्यूब से कह कर 4पीएम को बैन करवा दिया। हमारे तमाम साथी परेशान हो गये लेकिन चूंकि ऐसी परिस्थितियां मेरी जिंदगी में बार-बार आती रही हैं, मैं तटस्थ रहा। साथियों को हौसला देता रहा कि क्योंकि हम सच की राह पर हैं, तो हमें घबराने की ज़रूरत नहीं है। 4पीएम नेशनल चैनल के बंद होने पर 4पीएम के रीज़नल चैनल्स पर हम सरकार की इस कार्रवाई को ललकारते रहे। दोगुनी आवाज़ में सवाल पूछते रहे। मैंने साफ़ कर दिया था कि हम डरेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं। भले चौराहे पर खड़े होकर ख़बर बतानी पड़े। भले 4पीएम के बाक़ी रीज़नल चैनल भी बैन कर दिए जाएं।

भाजपा सरकार में आम जनता के सामने संकट ही संकट : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले - सीमाएं सुरक्षित, उद्योग मजबूत हों तब देश बनता है शक्तिशाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि देश की सीमाएं मजबूत और सुरक्षित रखनी होंगी। सामाजिक सद्भाव और भाईचारा को मजबूत करना चाहिए। उद्योग, व्यापार को बढ़ाकर आर्थिक रूप से ताकतवर बनाना होगा।

इसी से देश की ताकत बनेगी और राष्ट्र शक्तिशाली होगा। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने आम जनता के सामने संकट ही संकट पैदा कर दिया है। अर्थव्यवस्था संकट में है। युवाओं के पास नौकरी, रोजगार का संकट है। इस सरकार में लोकतंत्र और संविधान पर भी संकट है। समाजवादियों की लड़ाई लोकतंत्र और संविधान बचाने तथा जनता को तमाम समस्याओं से निजात दिलाने की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तमाम समस्याओं का समाधान पीडीए की सरकार में है। पीडीए का एजेंडा सामाजिक न्याय के राज की स्थापना करना है। सभी लोग 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। कार्यकर्ता बूथ मजबूत करें, आम जनता के बीच रहें।

पूर्व सीएम की बेटी के नाम पर फर्जी फेसबुक पेज, कराई गई एफआईआर

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर जानकारी दी है कि उनकी बेटी अदिति यादव के नाम पर फर्जी फेसबुक पेज बनाया गया है, अखिलेश ने कहा है कि इससे हमारा कुछ भी लेना देना नहीं है, अखिलेश ने यह भी कहा कि इसे मेरी ओर से एफआईआर से कम न समझा जाए। अखिलेश यादव ने लिखा कि 24 घंटे पूरे हुए, इसे हमारी एफआईआर से कम न समझा जाए. इसी बीच हमारी नज़र में ऐसी कई पोस्ट आई हैं जो बेहद आपत्तिजनक हैं। हमारे अपने, हमारे परिवार और पार्टी के नेताओं और हमने जुड़े हुए लोगों के नाम और तस्वीर का दुरुपयोग करके कुछ असामाजिक तत्व बेहद निंदनीय सोशल मीडिया पोस्ट और सामग्री प्रकाशित कर रहे हैं। सपा चीफ ने लिखा कि ऐसे विचारों, तस्वीरों से हमारा कोई भी लेना-देना नहीं है. ये सब एक साज़िश के तहत किया जा रहा है, जिसके पीछे या तो कुछ शातिर लोगों का राजनीतिक या आर्थिक मंसूबा है या फिर उन लोगों की अनभिज्ञता जो नहीं जानते हैं कि उनका इस्तेमाल कोई अपना मतलब निकालने के लिए कर रहा है। उन्होंने लिखा कि अगर भाजपा सरकार की साइबर सिक्योरिटी सेल चाहे तो ऐसे लोगों को 24 घंटे क्या, 24 मिनट में पकड़ सकती है, उसे तो बस ऊपर के आदेश का इंतज़ार है।

सपा ने तय किया टिकट देने का फॉर्मूला

सपा अपने पदाधिकारियों और नेताओं के कामकाज का मूल्यांकन बूथ स्तर पर उनकी सक्रियता से तय करेगी। पीडीए पर्चा वितरण समेत तमाम मुद्दों पर वे कितना सक्रिय रहते हैं, भविष्य में उनकी टिकट की दावेदारी भी इसी आधार पर तय होगी। इसके लिए प्रदेश सपा मुख्यालय से सभी जिला व शहर कमेटियों को जरूरी निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सपा नेतृत्व ने अपने संदेश में कहा है कि पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी एक-दूसरे की शिकायत करने में समय जाया न करें। बल्कि, बूथ स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ाकर संगठन को मजबूत करें। पीडीए पर्चा को घर-घर पहुंचाएं, जिसमें संविधान पर मंडरा रहे खतरे को विस्तार से बताया गया है। मतदाता सूचियों पर पैनी निगाह रखें, ताकि कोई गड़बड़ होने पर उसे दूर करवाया जा सके। सपा ने कार्यक्रमों की श्रृंखला भी जारी की है, जिनमें भागीदारी के आधार पर पदाधिकारियों की सक्रियता का आकलन किया जाएगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर न्यूनतम छह माह पहले प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएंगे।

बड़े मंगल की बधाई दी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ज्येष्ठ मास के प्रथम ब? मंगल पर सभी को बधाई देते हुए उनके सुख-समृद्धि की कामना की है। अखिलेश ने कहा कि हनुमानजी को अटूट भक्ति और शक्ति के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है।

बीजेपी सरकार में महिलाएं असुरक्षित

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। भाजपा सरकार का अपराध को लेकर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो साबित हो चुका है। अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार में महिलाओं के अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश देश में सबसे ऊपर है। पिछले दिनों मेरठ में चलती कार में गैंगरेप हो गया। इसी तरह इकौना थाना क्षेत्र में तिलक में जा रही बालिका का अपहरण हो गया। उत्तर प्रदेश में दबंगों और अपराधियों के बढ़ते आतंक और खराब होती कानून-व्यवस्था के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। अखिलेश यादव ने कहा कि रोमियो स्क्वाड जैसे बना था, वैसे ही हवा में उड़ गया।

कांग्रेस सर्वोदय की तर्ज पर कार्यकर्ताओं को देगी ट्रेनिंग

» सीखेंगे आधुनिक तकनीकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस को चुनावों में लगातार मिलती हार के चलते अब पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए तरह-तरह के प्रयोग किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब कांग्रेस अपने विधायकों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, विधानसभा प्रभारियों को सर्वोदय की तर्ज पर आवासीय प्रशिक्षण देगी। अगले महीने 9 से 15 जून के बीच दो से तीन दिन का यह आवासीय प्रशिक्षण होगा।

खास बात यह है कि प्रशिक्षण लेने वाले विधायकों, जिला अध्यक्षों सहित सभी नेताओं को एक निश्चित राशि बतौर पार्टी के पास जमा करनी होगी। कांग्रेस के इस प्रशिक्षण शिविर को लेकर भाजपा नेताओं ने चुटकी ली है। जानकारी के लिए बतादें कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ट्रेनिंग डिपार्टमेंट केय चीफ सचिन राव और एमपी कांग्रेस के प्रशिक्षण विभाग द्वारा ये ट्रेनिंग कैम्प आयोजित किया जाएगा। दरसअल पार्टी के कार्यकर्ताओं को आइडियोलॉजी के आधार पर जोड़ने के लिए विधायकों, जिलाध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों से लेकर ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर और बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सबसे पहले होने वाली ट्रेनिंग में कांग्रेस पार्टी के इतिहास, राजनीतिक सफरनामे से लेकर वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बताया जाएगा। प्रशिक्षणार्थियों को ये बताया जाएगा कि वर्तमान में एआई के युग में फेक न्यूज और कंटेंट और फैक्ट को कैसे पहचानें। विरोधी दल द्वारा सोशल मीडिया पर किए जाने वाले दुष्प्रचार को रोकने के तौर तरीके भी बताए जाएंगे।

भाजपा विधायक ने कसा तंज

भोपाल हुजूर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस द्वारा आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मारती हुई कांग्रेस, गिरती हुई कांग्रेस, लड़खड़ाती कांग्रेस, विचलित कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं के उपहास करने वाली कांग्रेस है। जिनके लीडर मजे में कार्यकर्ता परेशान रहे। चाहे जो प्रशिक्षण कर ले जाए, इससे कुछ हासिल नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का चरित्र बदल गया है, ये सोनिया गांधी वाली कांग्रेस है, विदेशी मूल की कांग्रेस है। यह प्रशिक्षण देकर सिर्फ माहौल बिगाड़ना जानते हैं।

राजनीतिक स्वार्थ के लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल गलत : मायावती

» बसपा प्रमुख ने पाकिस्तान को बुद्ध से प्रेरणा लेने की नसीहत दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क<

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक स्वार्थ के लिए करना गलत है। सभी द्वेष व संकीर्णता को त्याग कर गौतम बुद्ध के जीवन आदर्शों पर चलकर देश को फिर से जगद्गुरु बनाने के ईमानदार प्रयास होने चाहिए। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर उन्होंने पाकिस्तान को बुद्ध की शिक्षा और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की नसीहत दी।

बसपा सुप्रीमो ने गौतम बुद्ध के सभी अनुयायियों को बुद्ध पूर्णिमा की बधाई दी। साथ ही अपने बयान में कहा कि बसपा की चार बार रही सरकार के दौरान महात्मा बुद्ध के आदर्शों पर चलकर कानून का राज स्थापित किया गया था। सबको न्याय व सबके साथ न्याय का सांविधानिक धर्म भी निभाया गया। बाद में सपा व भाजपा की सरकार में यूपी में खासकर न्याय व कानून-व्यवस्था का बुरा हाल होने से लोगों का जीवन त्रस्त है। उनकी जयंती जाति-भेद, हिंसक मनोवृति, द्वेष आदि को त्यागने की प्रतिज्ञा को दोहराने का दिन है, क्योंकि इसी में जीवन व देश की सुख-शांति एवं तरक्की निहित है। लेकिन इस जिम्मेदारी को सरकारों द्वारा संकीर्ण स्वार्थ की खातिर भुला दिया गया है, जिससे आमजन त्रस्त और दुखी है।

दिल्ली विस का बजट सत्र स्थगित

» आज से शुरू होने वाला था सदन, नई तारीखों की घोषणा जल्द होने की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने एक अधिसूचना जारी कर बताया कि 13 और 14 मई को होने वाला बजट सत्र का दूसरा भाग स्थगित कर दिया गया है। सत्र की नई तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी।

सत्र के स्थगित होने से दिल्ली सरकार से जुड़े कई विकास कार्यों पर चर्चा और इन्हें पारित होने में देरी होगी। यह उम्मीद थी कि इसी सत्र में दिल्ली स्कूल एजूकेशन (ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस) एक्ट-2025 के ड्राफ्ट पर विधानसभा की मुहर लग जाएगी। दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने 29 अप्रैल को एक्ट के ड्राफ्ट को मंजूरी दी थी। उम्मीद थी कि जल्द ही एक्ट कानूनी शक्ल लेने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा, जिससे दिल्ली के लाखों छात्रों और अभिभावकों को लाभ मिलेगा इसके अलावा इस सत्र में आप विधायक दल ने दो प्रस्ताव लाने की तैयारी की थी। पहला निंदा प्रस्ताव था, जिसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा होनी थी। दूसरा धन्यवाद प्रस्ताव था।

सत्र क्यों टाला यह साफ नहीं

सत्र क्यों टाला गया है इसके बारे में कोई स्पष्ट नहीं है। विधानसभा सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया कि अपरिहार्य कारणों से (ऐसे कारण जो टाले न जा सकें) यह निर्णय लिया गया है। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 8 मार्च को शुरू हुआ था और 29 मार्च को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। सत्र का दूसरा भाग 13 और 14 मई को होना था। विधानसभा सचिवालय ने सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को सत्र के स्थगन के बारे में सूचित कर दिया है।

बंगाल में मंदिर के सहारे सियासत !

टीएमएसी सरकार ने दीघा में बनाया जगन्नाथ मंदिर, बंगाल भाजपा राज्य में राम मंदिर बनाने की बना रही योजना

» बंगाल सरकार और ओडिशा सरकार में मची रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल में विधान सभा चुनाव में अभी लगभग एक वर्ष का समय है। पर वहां की राजनीति अभी नए-नए खबरों से गरमाने लगी है। सत्ता में बैठी टीएमसी वहां की मुख्य विपक्षी दल भाजपा के निशाने पर दिन पर दिन आती जा रही है। कानून व्यवस्था से लेकर हिंदुओं के अपमान से लेकर वहां मंदिरों को लेकर सियासी घमासान आम है। जहां टीएमएसी सरकार द्वारा भगवान जगन्नाथ के मंदिर के निमार्ण को लेकर भाजपा उसपर हमलावर हे वहीं भाजपा बंगाल में राममंदिर की प्रतिकृति बनाकर बंगाल के वोटरों को अपनी ओर जोड़ना चाहती है।

बता दें पश्चिम बंगाल के दीघा में भगवा जगन्नाथ का मंदिर बनाया गया है। इस मंदिर का उद्घाटन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया। इस मंदिर का उद्घाटन होते ही राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। मामला बंगाल बनाम ओडिशा का हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसे हिंदू भावनाओं को आहत करने वाला चुनावी हथकंडा करार दिया। विवाद बढ़ा तो मंदिर का नाम बदलने की मांग हुई। अब ममता बनर्जी पर जगन्नाथ मंदिर की लकड़ियां चुराने का आरोप लगा है। गुस्साई ममता बनर्जी ने भी ओडिशा को जवाब दिया है। मामले में सियासत गरमा गई है।

ऐसे उठा विवाद का सिलसिला

पूर्व मेदिनीपुर जिले के दीघा में बनाया गया भगवान जगन्नाथ का मंदिर पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के मंदिर की प्रतिकृति है। राज्य के भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि पुरी का जगन्नाथ मंदिर सदियों पुराना और सबसे पवित्र है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस अपने हिंदू विरोधी एजेंडे में असफल होकर अब सांस्कृतिक केंद्र को मंदिर बताकर जनता को गुमराह कर रही है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि राज्य सरकार को मंदिर निर्माण का न तो संवैधानिक और न ही धार्मिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि अयोध्या राम मंदिर का निर्माण भी जनता के सहयोग से ट्रस्ट ने किया है, सरकार ने नहीं।

ममता बनर्जी जमकर बरसीं

जगन्नाथ मंदिर की नीम की लकड़ी चुराकर बंगाल में जगन्नाथ मंदिर बनाने का आरोप पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर लगा। बीजेपी ने उन्हें चोर बताया तो वह भड़क गईं। ममता बनर्जी ने आरोपों को निराधार और मनगढ़ंत बताया। बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में कहा कि हम चोरी की गई नीम की लकड़ी का उपयोग क्यों करेंगे? हमारे पास नीम की लकड़ी के अपने स्रोत हैं। ये आरोप पूरी तरह से निराधार और अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ इसलिए इतने नाराज क्यों हैं क्योंकि हमने दीघा में जगन्नाथ मंदिर बनाया है। क्या पश्चिम बंगाल में भगवान जगन्नाथ की पूजा करना अपराध है? उन्होंने कहा कि यह प्रतिक्रिया राजनीति से प्रेरित है।

बंगाल के श्रमिक निशाने पर

इधर विवाद इतना बढ़ा की बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों पर हमले शुरू हो गए। इन खबरों को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। बनर्जी ने ओडिशा में बांग्ला भाषी लोगों को परेशान किए जाने के चिंताजनक चलन की भी निंदा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पड़ोसी राज्य के उनके समकक्ष के साथ इस मामले को उठाने का निर्देश दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि जिस तरह ओडिशा के प्रवासी श्रमिक बंगाल में शांतिपूर्वक काम करते हैं, उसी तरह बंगाल के लोग भी ओडिशा में काम करते हैं। मुझे परेशान करने वाली खबरें मिली हैं कि वहां केवल बांग्ला बोलने वालों पर भी हमला किया जा रहा है। यह अत्यंत निंदनीय है। हमारे डीजीपी इस संबंध में ओडिशा के अपने समकक्ष से बात करेंगे। हम अपने लोगों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे।

ओडिशा से उठी नाम बदलने की मांग

ओडिशा में भगवान जगन्नाथ के भक्तों में रोष है। पुरी के 12वीं सदी के मंदिर से जुड़े पूर्व समिति सदस्यों और धार्मिक विद्वानों ने इसे गलत बताया है।पद्मश्री से सम्मानित रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक से लेकर कई दिग्गजों ने ओडिशा सीएम को लेटर लिखा। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार 'जगन्नाथ धाम' केवल पुरी को कहा जाता है, अन्य किसी मंदिर को यह उपाधि देना परंपरा के खिलाफ है। पटनायक ने आरोप लगाया कि दीघा मंदिर में 'ब्रह्मा' स्थापित करने का दावा भी भ्रम फैलाने वाला है। पुरी के 'दैतापति' सेवक रामचंद्र दासमहापात्रा ने कहा कि 'धाम' की मान्यता आदि शंकराचार्य द्वारा जगन्नाथ पुरी पीठ को दी गई थी।

धाम शब्द पर मचा है कोहराम

दीघा में जगन्नाथ मंदिर के उद्घाटन के दौरान मुख्य पुजारी रहे रामकृष्ण दासमोहपात्रा ने भी पश्चिम बंगाल में नए मंदिर से जुड़े 'जगन्नाथ धाम' शब्द को हटाने की मांग की। उन्होंने यहां कहा, 'मैं भी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से दीघा जगन्नाथ मंदिर से 'धाम' शब्द हटाने का अनुरोध करता हूं। मेरी समझ से पुरी ही एकमात्र स्थान है जिसे 'जगन्नाथ धाम' कहा जाता है।'

ओडिशा के सीएम ने किया हस्तक्षेप

इस विवाद के बीच ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) से मामले की जांच करने को कहा। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पुरी के कुछ सेवकों ने दीघा मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया था और पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में मंदिर की मूर्तियां बनाने के लिए 2015 के नवकलेवर (नए रूप) से बची हुई नीम की लकड़ी का इस्तेमाल किया था। नवकलेवर प्रत्येक 12 या 19 वर्ष पर आयोजित होने वाला एक अनुष्ठान है, जिसके दौरान पुरी मंदिर में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की लकड़ी की मूर्तियां बदली जाती हैं।

एक और राम मंदिर आंदोलन करेगी भाजपा

पूरा देश जीतने के बाद भी बीजेपी के लिए उस बंगाल को जीतना अब भी एक सपने के जैसा है, जो उसके पितृ पुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी का गृह राज्य है। जनसंघ बनाने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जिस विचारधारा ने पार्टी को वो खाद-पानी दिया कि बीजेपी के तौर पर वो दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बन गई, वही बीजेपी बंगाल में अब भी एक अदद जीत के लिए तरस रही है, और शायद यही वजह है कि अब बीजेपी ने अगले साल बंगाल में होने वाले चुनाव के लिए एक और राम मंदिर आंदोलन करने का ऐलान किया है। वह कार सेवा भी करेगी।

पवित्र नीम की लकड़ी पर विवाद

बंगाल को जगन्नाथ पुरी की पवित्र नीम की लकड़ी दिए जाने को लेकर पुरी मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने एक वरिष्ठ सेवक से पूछताछ की। प्रभावशाली दैतापति निजोग के सचिव रामकृष्ण दासमोहपात्र को पूछताछ के लिए बुलाया गया। यह सेवकों का एक संगठन है जिसे पारंपरिक रूप से भगवान जगन्नाथ का अंगरक्षक माना जाता है। दासमोहपात्र ने 30 अप्रैल को दीघा मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की देखरेख की थी। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी ने दासमहापात्रा को तलब किया और उनसे करीब 90 मिनट तक पूछताछ की।

जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति ने दी कानूनी लड़ाई की धमकी

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष देब ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार केवल पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के मंदिर को ही जगन्नाथ धाम कहा जा सकता है। मैंने इस मामले पर मुक्तिमुंडुपा पंडित सभा की राय मांगी है। इधर कानून मंत्री ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ कानूनी कदम उठाने की भी धमकी दी।

ओडिशा व दीघा मंदिरों को सम्मान बराबर : ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दीघा में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह दोनों मंदिरों का सम्मान करती हैं। उनकी यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है जब राज्य सरकार द्वारा मंदिर को जगन्नाथ धाम के रूप में प्रचारित करने पर आपत्ति जताई जा रही है, जो परंपरागत रूप से ओडिशा के पुरी में 12वीं शताब्दी के जगन्नाथ मंदिर से जुड़ा हुआ शीर्षक है। विवाद के बीच, ओडिशा सरकार ने यह भी कहा कि वह बनर्जी को एक पत्र भेजने का इरादा रखती है, जिसमें उनसे दीघा में हाल ही में निर्मित जगन्नाथ मंदिर को जगन्नाथ धाम के रूप में संदर्भित करना बंद करने का अनुरोध किया जाएगा। इस मुद्दे पर बोलते हुए बनर्जी ने दोनों मंदिरों के महत्व को समान बताया और दीघा स्थल को जगन्नाथ धाम के रूप में संदर्भित किया। उन्होंने कहा, हम पुरी के मंदिर का सम्मान करते हैं और जगन्नाथ धाम का भी सम्मान करते हैं। काली मंदिर और गुरुद्वारे देश भर में हर जगह हैं। मंदिर हर जगह हैं...इस मुद्दे पर इतना गुस्सा क्यों है? भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दीघा मंदिर के नाम पर आपत्ति जताई और कहा कि किसी अन्य मंदिर को धाम नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि मैं एक बात पर सख्त आपत्ति जताता हूं। दुनिया में सिर्फ एक जगन्नाथ धाम है और किसी अन्य स्थान को जगन्नाथ धाम कहना संभव नहीं है क्योंकि कोई अन्य स्थान है ही नहीं। गौरतलब है कि भारत में चार धाम हैं और उनमें से पुरी मंदिर भी एक है। भाजपा नेता ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि किसी अन्य स्थान को जगन्नाथ धाम नहीं कहा जा सकता।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देर से मिलने वाला न्याय अन्याय की तरह

गत दिनों बयालीस साल बाद एक फैसला आया था जिसके बाद से बहस शुरू हो गई थी। उप्र के मैनपुरी जिले के एक छोटे से गांव साधुपूरा में 42 साल पहले एक मां की आंखों के सामने उसके तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। हत्यारे पकड़े गये थे। मुकदमा भी चला। पर आरोपियों को सजा देने में बयालीस साल लग गये। तीनों हत्यारों में से दो की मौत तो मुकदमा चलने के दौरान ही हो गयी थी।

अभी हाल में सुप्रीमकोर्ट ने झारखंड उच्चन्यायालय द्वारा कुछ फैसलों को सुरक्षित रखने पर कड़ी फटकार लगाई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि न्याय में देरी अच्छी बात नहीं है। कोर्ट की भाषा में कहा जाता देर से मिलने वाला न्याय अन्याय की तरह ही होता है। चूकि भारत में न्यायिक प्रक्रिया बहुत लंबी है। अमूमन देखने में आया है भारत में मुकदमें इतने लंबे चलते हैं कि वादी, प्रतिवादी मर जाते हैं और मुकदमें का फैसला तक नही आता है। कभी-कभी फैसला आने में सालों लग जाते हैं। हालांकि इस तरह की समस्याओं को खत्म करने के लिए मुख्य न्यायधीश से लेकर सरकार तक संज्ञान लेकर नियम कानून बनाती रहती हैं ताकि अम जन को त्वरित न्याय मिल जाए। तत्कालीन सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ न्यायिक काम में तेजी लाने के लिए तकनीकी और डिजिटिलाइजेशन पर जोर दे रहे थें। दरअसल, गत दिनों बयालीस साल बाद एक फैसला आया था जिसके बाद से बहस शुरू हो गई थी। उप्र के मैनपुरी जिले के एक छोटे से गांव साधुपूरा में 42 साल पहले एक मां की आंखों के सामने उसके तीन बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। हत्यारे पकड़े गये थे। मुकदमा भी चला। पर आरोपियों को सजा देने में बयालीस साल लग गये। तीनों हत्यारों में से दो की मौत तो मुकदमा चलने के दौरान ही हो गयी थी। तीसरे को अब सजा मिली है! उम्रकैद की सजा। बच्चों पर गोली चलाने वाला गंगा दयाल अब नब्बे वर्ष का हो चुका है। पता नहीं कितने साल जेल में रहेगा। रहेगा भी या नहीं। आंखों के सामने बच्चों को गोली से तड़पते हुए मरता देखने वाली अभागी मां प्रेमवती भी अब नब्बे साल की है। तीनों गोली चलाने वाले नृशंस अपराधी तब यह कह कर घटनास्थल से चले गये थे कि 'चलो, काम खत्म हुआ! तब भले ही उन अपराधियों का काम खत्म हो गया हो, पर नब्बे वर्षीय मां को न्याय मिलने का काम अब भी खत्म नहीं हुआ है। यह सही है कि तीन हत्यारों में से जीवित बचे एक हत्यारे को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनायी है, पर घटना के बयालीस साल बाद मिली इस सजा को क्या सचमुच सजा कहा जा सकता है? और क्या यह विलंब से मिला न्याय सचमुच न्याय कहा जा सकता है? नहीं, न यह सजा पूरी है और न यह न्याय। सच बात तो यह है कि किसी भी मामले में न्याय मिलने में इतना विलंब होने का मतलब हमारी पूरी न्याय-व्यवस्था के औचित्य पर एक सवालिया निशान लगना है। यह सवाल सिर्फ हमारी न्याय- व्यवस्था पर ही नहीं लगा। जब हम यह देखते हैं कि बयालीस साल बाद में मिले इस न्याय के औचित्य को लेकर देश में कहीं कोई हलचल नहीं है तो समाज की संवेदनशीलता भी सवालों के घेरे में आ जाती है। इस संदर्भ में मीडिया की उदासीनता भी परेशान करने वाली है। उस दिन आठ अखबारों में से सिर्फ एक अखबार में 'विलंबित न्याय' का यह समाचार मुझे दिखा था। न ही, किसी समाचार-चैनल ने इस विषय पर बहस करने की आवश्यकता महसूस की।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है जिंदगी

क्षमा शर्मा

टीवी स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चैनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चैनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी।

वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों में आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज-चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार-छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं।

दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दु:ख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर-दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं।

औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी,

जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद, पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी-अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं।

हकीकत फिल्म जो चीन के साथ युद्ध पर बनी थी उसका गाना याद आता है-हो के मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा।' यह गाना ऐसा है कि सुनते-सुनते रोना आ जाता है। इसे युद्ध के वक्त बर्फ में फंसे सैनिक गा रहे हैं और अपनी-अपनी पत्नियों के बारे में सोच रहे हैं। इसके विभिन्न शाट्स में उन सैनिकों की पत्नियों के हालात का वर्णन था। देवानंद, साधना द्वारा अभिनीत फिल्म हम दोनों का बड़ा हिस्सा भी इसी थीम पर है। जहां पति युद्ध में एक पांव गंवाकर आता है। उसे भरोसा नहीं है कि पत्नी उसे अपना लेगी। चार दिन चली इस लड़ाई में राजस्थान की सत्ताईस साल की किरण शेखावत युद्ध के मैदान में पहली शहीद होने वाली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसका खून से लथपथ शरीर देखकर रोंगटे खड़े हो गए थे। मदर्स डे पर उस महिला के बारे में भी छपा है, जिसने पति की मृत्यु के वक्त अपने बेटे को तमाम तरह के कष्ट झेलकर पाला। वह भी इस युद्ध में मारा गया। अब वह नितांत अकेली है। 1999 की करगिल लड़ाई के वक्त शहीद अनुज नैय्यर के पिता का बयान ऐसा था कि उसने हिला दिया था। उन्होंने कहा था कि लड़ाइयों में कोई नेता नहीं मारा जाता। इसी लड़ाई में एक और महिला हेमलता का बेटा मारा गया था। उन्हें बदले में सरकार ने पेट्रोल पंप देना चाहा था। लेकिन उन्होंने उसे लेने से साफ मना कर दिया था।

यहां एक आपबीती भी शामिल करना चाहती हूं। सगे मामा की लड़की के पति को विवाह के मात्र पांच महीने बाद ही कश्मीर में आतंकवादियों ने मार दिया था। वह लड़का भी सैन्य अधिकारी था। उसके पिता भी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी रहे थे। कुछ दिन बाद इस लड़की के पिता की मृत्यु भी हो गई थी। इस लड़की ने कितनी मुश्किलों से अपने बच्चे को पाला, यह वह जानती है या उसके परिजन। उसके परिजन चाहते थे कि वह दोबारा विवाह कर ले। लेकिन उसने कहा, मेरे बच्चे का पिता तो पहले ही नहीं है। मैं शादी कर लूं, तो बच्चे की मां भी नहीं रहेगी। आज पांचवें दशक में भी उसका जीवन अनंत दुखों की गाथा है। ऐसी ही लाखों, करोड़ों स्त्रियां न केवल भारत, बल्कि दुनियाभर में मौजूद हैं। हम शहादत पर सहानुभूति दिखा सकते हैं। सरकारें मुआवजा दे सकती हैं। पत्नियों को नौकरी मिल सकती है। लेकिन जाने वाला जो खालीपन छोड़ जाता है, वह भी युवावस्था में, उसे भरना मुश्किल होता है। जावेद अख्तर ने बार्डर फिल्म में एक गीत लिखा था। जिसकी पंक्तियां थीं-जंग तो रोज होती है, जिंदगी बरसों तलक रोती है।

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

ले.जन. डीएस हुड्डा (से.नि.)

छह-सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ शृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ, जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई। भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में पैमाने और दायरे में, काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं। प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा। भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषत: पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6-7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता।

नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत-लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा-जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा। द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य-जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही। प्रेस ब्रीफिंग में 6-7 मई की कार्रवाई पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत की 'कार्रवाई नपी-तुली, चीजों को और आगे न भड़काने वाली, आनुपातिक और जिम्मेदाराना थी। इसके निशाने का केंद्र आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना और भारत में भेजे जाने वाले आतंकवादियों को निष्क्रिय करना था'। यह पाकिस्तान के लिए संदेश था कि अगर वह किसी भी सैन्य जवाबी कार्रवाई से परहेज करे और आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के दीर्घकालीन उपाय करे, तो बढ़ते तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तानी सेना ने प्रतिक्रिया में युद्ध जैसे हालात रखे, जिसकाभारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया।

तृतीय, भारत इस बारे स्पष्ट है कि परमाणु युद्ध की नौबत बनने से जरा पहले तक, सीमित पारंपरिक संघर्ष के वास्ते गुंजाइश मौजूद है। जब भी भारत-पाकिस्तान संकट बनता है, तो पाकिस्तान सबसे पहले अपना परमाणु कार्ड लहराने लग जाता है। मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोकता है, तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों से हमला करने को तैयार रहेगा। पाकिस्तान के राजदूत ने भी ऐसी धमकी दी। पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेलिंग से भारत अब खुद को बंधक नहीं मानता। पारंपरिक बलों के इस्तेमाल के जरिए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ढांचे को निशाना बनाने में वाले तौर-तरीके में धीरे-धीरे बदलाव आया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी पंजाब समेत कई आतंकी गढ़ों पर धावा बोलने में, हवाई हमले की उपयोगिता के रूप में नया मानक स्थापित हुआ है।

चतुर्थ, भारत में हुए आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष सबूत उपलब्ध करवाने की कुछ अंतरराष्ट्रीय हलकों की मांग अब जाती रही है। भारत दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है और जब भी वह कहता है कि आतंकवाद का स्रोत पाकिस्तान है, तो यह बात सही है। समस्या यहां हमले करने वाले की नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी और उस सैन्य नेतृत्व की है, जो आतंकवाद को पाल-पोस रहे हैं। अकाट्य सबूत की मांग छद्म युद्ध की प्रकृति को नजरअंदाज करती है। आतंकी संगठनों का ढांचा ही इस प्रकार तैयार किया जाता है कि सिद्ध करना मुश्किल हो जाए।

ग्रीन स्मूदी

दूध की जगह आप पत्तेदार सब्जियों की स्मूदी पी सकते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स का भंडार हैं। इसमें हड्डियों को मजबूत बनाने वाला मिनरल कैल्शियम भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से विटामिन डी के अवशोषण को भी बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा डायबिटीज में भी स्मूदी की रेसिपी बहुत फायदेमंद होती है। आमतौर पर डायबिटीज की बीमारी आपके शरीर द्वारा शर्करा को मेटाबोलाइज करने के तरीके को प्रभावित करती है, जिसके कई प्रकार होते हैं।

पाया सूप

चिकन और मांस की हड्डियों से बना पाया सूप हड्डियों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। यह सूप पीने में भी स्वादिष्ट होता हैं। इसके नियमित सेवन से हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत बनाने में मदद मिल सकती है। इसमें पाए जाने वाले कोलेजन और मिनरल्स बोन डेंसिटी को बेहतर बनाते हैं।

बेरीज और योगर्ट स्मूदी

बेरीज में एंटीऑक्सीडेंट्स की अच्छी मात्रा पाई जाती है और जब इसके प्रोबिओटिक और कैल्शियम से भरपूर योगर्ट के साथ मिल्या जाता है, तो इसकी ताकत दोगुनी हो जाती है और हड्डियों को ताकत देती है। इसके अलावा इस रेसिपी में विटामिन बी और सी की स्वस्थ खुराक सहित कई पोषण संबंधी लाभ प्रदान करता है। बेरी ड्रिंक में केला मिलाने से वर्कआउट के बाद की भूख को संतुष्ट करने के लिए फाइबर, पोटेशियम और पर्याप्त घनत्व मिल जाता है। कम वसा वाला दही अच्छी तरह से काम करने वाले पाचन तंत्र का समर्थन करने के लिए कैल्शियम और प्रोबायोटिक बैक्टीरिया दोनों की एक उदार खुराक प्रदान करता है।

हड्डियां बनेंगी लोहे सी मजबूत

हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त कैल्शियम की जरूरत होती है और आपके शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करने के लिए विटामिन डी भी चाहिए। इन दोनों पोषक तत्वों की कमी से आपकी हड्डियां कमजोर और बीमार हो सकती हैं। ध्यान रहे कि आपका पूरा शरीर हड्डियों के ढांचे पर टिका है और हड्डियों में किसी भी तरह परेशानी या कमजोरी आपके पूरे शरीर को भारी पड़ सकती है। हड्डियों में कैल्शियम और विटामिन डी कमी से आपको हड्डियों की बीमारी रिकेट्स और ऑस्टियोपोरोसिस का रिस्क हो सकता है। यह दो ऐसी बीमारी हैं जिनमें हड्डियां बेहद कमजोर और नाजुक हो जाती हैं और उनके आसानी से टूटने का खतरा बढ़ जाता है, यहां तक कि एक हल्का सा झटका लगने से भी।

हड्डियों को स्वस्थ रखने और कैल्शियम की कमी पूरी करने के तरीका यह है कि आप कैल्शियम रिच फूड्स खाएं और उन्हें अवशोषित करने के लिए विटामिन डी वाले फूड्स। दूध-दही जैसे डेयरी उत्पादों में कैल्शियम ज्यादा पाया जाता है और अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो आप ये ड्रिंक्स पी सकते हैं।

डाइट में शामिल करें ये चीजें

टमाटर का रस

टमामटर का सूप पीना भी बहुत पसंद करते हैं। यह कैलोरी में कम होता है और कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर भी होता है। टमाटर में लाइकोपीन की अच्छी मात्रा पाई जाती है जो कि एक जरूरी एंटीऑक्सीडेंट है जो हड्डियों को नुकसान से बचाता है। नियमित रूप से कम मात्रा में टमाटर का जूस पीने से हड्डियों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

फोर्टीफाइड ऑरेंज जूस

चाहे छुट्टियों में आप बेहतरीन नाश्ता कर रहे हों या फिर एक्सरसाइज के बाद कुछ पीने का मन हो, इन सबके लिए ऑरेंज जूस एक अच्छा ऑप्शन होता है। और हो भी क्यों न? यह फ्रेशनेस देने वाला, पोषक तत्वों से भरपूर और आपको सुबह की ताजगी देने वाला होता है। फोर्टीफाइड ऑरेंज जूस हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। संतरे के रस में नैचुरली विटामिन सी की अधिक मात्रा पाई जाती है जिस वजह से यह वितैन और मिनरल्स के अवशोषण को बढ़ावा देता है। इसके अलावा इसमें विटामिन डी की अच्छी मात्रा होती है जिस वजह से हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

हंसना मना है

पति: अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नहीं निकाल सकती? पत्नी: अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नहीं चबा सकते?

अर्ज है: रोज-रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

वाइफ: प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार: अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी: डॉक्टर साहब.. मेरे पती को रात मे बड़बड़ाने की आदत है, कोई उपाय बताये? डॉक्टर: आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

पापा बेटी से: बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी: ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता: क्यों रो रहे हो? संता: और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नहीं आता।

कहानी | चोरी की सजा

जब जेन मास्टर बनकेइ ध्यान करना सिखाने का कैंप लगाया तो पूरे जापान से कई बच्चे उनसे सीखने आये। कैंप के दौरान ही एक दिन किसी छात्र को चोरी करते हुए पकड़ लिया गया। बनकेइ को ये बात बताई गयी, बाकी छात्रों ने अनुरोध किया की चोरी की सजा के रूप में इस छात्र को कैंप से निकाल दिया जाए पर बनकेइ ने इस पर ध्यान नहीं दिया और उसे और बच्चों के साथ पढ़ने दिया। कुछ दिनों बाद फिर ऐसा ही हुआ, वही छात्र दुबारा चोरी करते हुए पकड़ा गया। एक बार फिर उसे बनकेइ के सामने ले जाया गया, पर सभी की उम्मीदों के विरूद्ध इस बार भी उन्होंने छात्र को कोई सजा नहीं सुनाई। इस वजह से अन्य बच्चे क्रोधित हो उठे और सभी ने मिलकर बनकेइ को पत्र लिखा की यदि उस छात्र को नहीं निकाला जायेगा तो हम सब कैंप छोड़ कर चले जायेंगे। बनकेइ ने पत्र पढ़ा और तुरंत ही सभी छात्रों को इकट्ठा होने के लिए कहा आप सभी बुद्धिमान हैं। बनकेइ ने बोलना शुरू किया, आप जानते हैं की क्या सही है और क्या गलत। यदि आप कहीं और पढ़ने जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं, पर ये बेचारा यह भी नहीं जानता की क्या सही है और क्या गलत। यदि इसे मैं नहीं पढ़ाऊंगा तो और कौन पढ़ायेगा? आप सभी चले भी जाएं तो भी मैं इसे यहां पढ़ाऊंगा। यह सुनकर चोरी करने वाला छात्र फूट-फूट कर रोने लगा। अब उसके अन्दर से चोरी करने की इच्छा हमेशा के लिए जा चुकी थी।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि किसी अपराध की सजा हमेंशा दण्ड देना ही नहीं होता है बल्कि उसे माफ करके भी सुधारा जा सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा।

वृषभ आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं।

मिथुन रोजगार में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी।

कर्क व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

सिंह नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

कन्या व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें।

तुला आपका नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है।

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है।

मकर आय में नितिता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है।

कुम्भ कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। विवेक का प्रयोग करें।

बॉलीवुड | मन की बात

शूरवीर युद्ध में वीरता दिखाते हैं, बातें नहीं करते : बिग बी

भारत-पाकिस्तान के बीच जारी स्थिति और पहलगाम हमले के बाद पैदा हुए तनाव पर महानायक अमिताभ बच्चन ने पहली बार प्रतिक्रिया दी थी। इससे पहले उनकी चुप्पी पर हर कोई सवाल उठा रहा था। अब जब भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम हो गया है और तनाव कम हो रहा है। तब बीती रात बिग बी ने अपने एक्स पर एक बार फिर मौजूदा परिस्थिति पर एक ट्वीट किया है। इसमें बिग बी ने रामचरितमानस का भी जिक्र किया है। काफी आलोचनाओं के बाद बिग बी अब भारत-पाकिस्तान के बीच पैदा हुई परिस्थितियों पर एक्टिव नजर आ रहे हैं। युद्ध विराम के बाद उन्होंने बीती देर रात एक एक्स पर एक और पोस्ट किया। अपने इस पोस्ट में बिग बी ने तुलसीदास जी की रामचरितमानस की एक पंक्ति का जिक्र करते हुए लिखा, 'सूर समर करनी करहिं, कहि न जनावहिं आप।' पंक्ति का अर्थ बताते हुए उन्होंने लिखा, पंक्ति का अर्थ है कि शूरवीर अपने पराक्रम को युद्ध में करके दिखाते हैं, वे अपनी वीरता का प्रदर्शन करने के लिए बातें नहीं बनाते। यह पंक्ति तुलसीदास जी के रामचरितमानस के लक्ष्मण-परशुराम संवाद से ही ली गई है, कि शूरवीर अपनी वीरता को युद्ध में करके दिखाते हैं, वे अपने मुंह से अपनी प्रशंसा नहीं करते। कायर लोग ही युद्ध में शत्रु को सामने देखकर अपनी वीरता की डींगें हांका करते हैं। बिग बी ने अपने पिता कवि हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का जिक्र किया। साथ ही इस पोस्ट से पहले शेयर की उनकी कविता के बारे में भी लिखा। उन्होंने लिखा, हाइलाइट की गई लाइन पूरी है। जिसका मतलब है कि युद्ध में वीर बहादुर, अपनी वीरता दिखाते हैं। वे अपनी बहादुरी और वीरता का गुणगान नहीं करते। वो कायर हैं जो दुश्मन को देखकर केवल अपनी बहादुरी का नारा लगाते हैं। शब्दों ने व्यक्त किया है पहले से कहीं अधिक सत्य। एक कवि और उनकी दृष्टि पहले से कहीं अधिक महान। बाबूजी के यह शब्द 1965 के पाकिस्तान के साथ युद्ध के इर्द-गिर्द लिखे गए। हम जीते और विजयी हुए, जिसके लिए उन्हें 1968 में प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला, यानी लगभग 60 साल पहले।

मुझमें नहीं थी आगे बढ़ने की हिम्मत : सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अपनी बातों को खुलकर रखने के लिए भी जानी जाती हैं। वो अपने तलाक से लेकर अपने स्वास्थ्य तक पर खुलकर बोलती हैं। अब अभिनत्री ने अपने उन दिनों को याद किया जब कुछ भी उनके पक्ष में नहीं जा रहा था और वो काफी परेशान थीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें सबसे बुरे ख्याल आते थे। फिर कैसे उन्होंने इस पर काबू पाया और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला, इसके बारे में भी उन्होंने बात की। हाल ही में गलाटा प्लस के साथ बातचीत में सामंथा ने अपने परेशान करने वाले दौर का जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा, मुझे याद है कि एक बार मैं वाकई में उस मोड़ पर पहुंच गई थी, जहां मैंने सोचा था कि बस मैं अब और नहीं कर सकती। मेरे मन में सबसे बुरे विचार आए। जाहिर है कि मुझमें आगे बढ़ने और ऐसा करने की हिम्मत नहीं थी। यह एक साल तक कठिन था। ऐसा कुछ भी नहीं था जो काम कर रहा था, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा था। सामंथा ने इन विचारों पर काम न करने और उनसे निपटने के लिए क्या किया और कैसे इनसे पीछा छुटाया, इसको लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, मैंने स्पष्ट रूप से हिम्मत नहीं हारी, क्योंकि इन विचारों पर काम करने के लिए आपके पास बहुत हिम्मत होनी चाहिए। इसलिए मैंने सोचा मुझे किसी तरह इस सबसे बचने का तरीका ढूंढना होगा। साथ ही अपने जीवन में और चीजों के बारे में सोचना शुरू करना होगा। अब, जब लोग कहते हैं कि वे कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो मैं वास्तव में उन्हें इससे गुजरने के लिए कहती हूं। इससे हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। मुझे मेरी सफलता ने नहीं है, बल्कि मेरी असफलताओं और कठिनाइयों ने सिखाया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा रूथ प्रभु को आखिरी बार निर्देशक राज और डीके की 'सिटाडेल-हनी बनी' में देखा गया था। इसमें उनके साथ वरुण धवन प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। वह अब 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'बंगारम' पर काम कर रही हैं। सामंथा ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के तहत पहली फिल्म 'सुभम' बनाई है। इसमें उन्होंने एक कैमियो भी किया है।

बोलीं- शुरूआती कॅरियर में मेरा एक साल काफी कठिन था

शेट्टी ने संघर्ष के दिनों को किया याद

सुनील शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म केसरी वीर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान सुनील शेट्टी ने अपने जीवन के उन पहलुओं के बारे में खुलासा किया, जब वह एक रेस्टोरेंट में काम किया करते थे। वहां सुनील लोगों को इडली-वड़ा सर्व किया करते थे। न्यूज 18 की एक खबर के मुताबिक, सुनील शेट्टी ने 1992 में फिल्म बलवान से अपने करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म हिट रही, लेकिन कुछ आलोचकों ने उनकी एक्टिंग और लुक की आलोचना की। आलोचकों ने कहा कि सुनील का शरीर अकड़ा हुआ है, वे चल नहीं पाते और उन्हें अपने रेस्तरां में इडली-वड़ा बेचना चाहिए। सुनील ने बताया कि आलोचक ने इसे अपमान के रूप में कहा, लेकिन उनका रेस्तरां ही उनकी ताकत था। सुनील ने उस समय रेडियो नशा को बताया, उस आलोचक को लगा कि वह मेरा मजाक उड़ा रहा है, लेकिन इडली-वड़ा मेरा बिजनेस था। इसने मुझे और मेरी बहनों को अच्छी शिक्षा दी। सुनील ने आगे कहा, मैं रेस्तरां में टेबल साफ करता, खाना परोसता था और घंटों किचन में काम किया करता था। इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं तब भी सुनील शेट्टी था और आज भी वही हूं। सुनील अब अपनी नई फिल्म केसरी वीर : लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में नजर आएंगे, जिसमें वे एक बहादुर योद्धा वेगड़ा जी की भूमिका निभाएंगे। इस ऐतिहासिक ड्रामा में सुनील के अलावा विवेक ओबेरॉय, सोराज पंचोली और आकांक्षा शर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन प्रिंस धीमान ने किया है और इसे कनु चौहान ने बनाया है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 23 मई 2025 को रिलीज होगी।

बोले- मैं टेबल साफ करता था और इडली और वड़ा बेचता था...

ये है दुनिया का सबसे बुजुर्ग कछुआ, उम्र इतनी है कि अंदाजा भी नहीं लगा सकते!

जोनाथन नाम का एक कछुआ दुनिया का सबसे उम्रदराज जानवर है। वह अटलांटिक महासागर में सेंट हेलेना के सुदूर द्वीप पर रहता है, जिसकी उम्र इतनी है कि आप उसका अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं। इस कछुए के नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है। अभी ये कछुआ एकदम ठीक हालत में है। इसे पहली बार 1882 में सेशेल्स से सेंट हेलेना द्वीप पर लाया गया था, जब वह लगभग 50 साल का था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (जीडब्ल्यूआर) के अनुसार, माना जाता है कि जोनाथन का जन्म 1832 में हुआ था। लेकिन सटीक तारीख का पता नहीं है। जीडब्ल्यूआर ने इस कछुए का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर भी शेयर किया है। बता दें कि अब ये कछुआ 191 साल का हो गया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार- लंबे समय से इस कछुए के पशुचिकित्सक रहे जो होलिन्स के मुताबिक, अभी जोनाथन कछुआ एकदम ठीक है। अभी उसकी 'धीमी गति कम होने का कोई संकेत नहीं' दिख रहा है। हॉलिन्स ने आगे बताया कि कछुए की सूंधने की शक्ति भी खत्म हो गई है। साथ ही मोतियाबिंद के कारण वह लगभग अंधा हो गया है। हालांकि अभी उसे खूब लगती है। जोनाथन की अनुमानित उम्र का तब पता चला जब 1882 और 1886 के बीच ली गई एक पुरानी तस्वीर में वो दिखा। उसे बगीचे में देखा गया था। साल 2022 में जोनाथन को दुनिया के सबसे उम्रदराज जमीनी जानवर के तौर पर गिनीज रिकॉर्ड्स का खिताब दिया गया था। तब से लेकर अब तक इस कछुए का रिकॉर्ड कायम है। इससे पहले यह रिकॉर्ड तु'ई मालिमा नाम के कछुआ के नाम था। ये कछुआ 1965 में लगभग 188 वर्ष की आयु में मर गया था। 1777 के आसपास कैप्टन जेम्स कुक द्वारा टोंगा शाही परिवार को कछुआ दिया गया था।

अजब-गजब | एरोप्लेन जैसा दिखता है ये पर्स

कीमत इतनी है कि खरीद लें एक बीएचके घर

क्या आप भी ब्रांडेड चीजों के शौकीन हैं? पहले के समय में लोग जरूरत के हिसाब से चीजें खरीदते थे। लेकिन अब शो ऑफ का ज़माना आ गया है। सिर्फ इसलिए कि पड़ोसी ने कोई चीज खरीदी है, सामने वाला भी जाकर उससे महंगी चीज खरीद लेता है। भले ही वो उसे कभी इस्तेमाल ना करे। ऐसे लोगों के लिए ही कई कंपनियां ऐसी चीजें बनाती है, जिसे खरीदने वाले को नॉर्मल लोग मुर्ख ही कहेंगे। हाल ही में एक ऐसा ही पर्स लॉन्च किया गया, जिसकी कीमत में भारत में एक नॉर्मल शख्स वेक बेडरूम का घर ही खरीद लेगा। बात अगर सिर्फ कीमत की होती तो भी समझ आता। बैग का डिजाइन भी अजीब है। कंपनी ने एक ऐसा पर्स लॉन्च किया है जो एरोप्लेन जैसा नजर आता है। जी हां, इस बैग का डिजाइन एरोप्लेन की तरह है। यानी आप इसे लेकर कॉलेज या मार्केट जाने में शर्माएंगे। लेकिन इसकी कीमत में कोई कोताही नहीं बरती गई है। कंपनी ने इस पर्स की कीमत रखी है 30 हजार डॉलर यानी

अगर भारतीय मुद्रा में बात करें तो एक पर्स की कीमत है 32 लाख 45 हजार रुपए। Louis Vuitton को पर्स की दुनिया का बादशाह कहा जाता है। लगभग हर सेलिब्रिटी इस ब्रांड का बैग यूज करते हैं। इसके पर्स काफी एलिगेंट नजर आते हैं। साथ ही ये काफी क्लासी लुक भी देते हैं। लेकिन हाल ही में इस ब्रांड ने एक ऐसा बैग लॉन्च किया, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए। इस बैग का डिजाइन एरोप्लेन की तरह है। अपने ब्रांड का लोगो लगाकर कंपनी इस बैग को 32 लाख बेच रही है। जैसे ही इस बैग की तस्वीरें सामने आई, सब हैरान रह गए। लोगों ने इसपर काफी हैरानी जताई। एक यूजर ने लिखा कि ये कैसा बैग है? वहीं एक ने जानकारी दी कि कंपनियां ऐसे बैग ख़ास मकसद से लॉन्च करती है। इन्हें हर स्टोर में नहीं रखा जाता। ये स्पॉटलाइट के लिए लॉन्च की जाती है। वहीं एक अन्य ने लिखा कि इस बैग को तो पायलट भी नहीं खरीदेगा।

सीजफायर से पहले सर्वदलीय बैठक होनी चाहिए थी : सिद्धरमैया

» कर्नाटक के सीएम बोले- राजनीतिक श्रेय न लिया जाए, सेना को नमन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि केंद्र को पाकिस्तान के साथ सभी सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी और संसद सत्र आहूत करना चाहिए था। सिद्धरमैया ने कहा कि आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ अभियान का पूरा श्रेय सशस्त्र बलों को जाना चाहिए और किसी को भी इसका राजनीतिक श्रेय नहीं लेना चाहिए। सिद्धरमैया ने एक सवाल के जवाब में कहा, संघर्षविराम की घोषणा कर दी गई और दोनों देश इस पर सहमति पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा, ''मेरी राय में उन्हें (केंद्र सरकार को) संघर्षविराम से पहले सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए थी। साथ ही संसद भी आहूत करनी चाहिए थी, क्योंकि यह बहुत गंभीर मामला है। कई लोगों द्वारा 1971 के बांग्लादेश मुक्तिसंग्राम के दौरान दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उनके नेतृत्व और वर्तमान भारत-पाकिस्तान स्थिति के बीच तुलना करने के उद्देश्य से उदाहरण दिए जाने पर उन्होंने कहा, ''1971 के बाद से कई वर्ष, लगभग 54 वर्ष बीत चुके हैं, मैं अब इसके बारे में बात नहीं करना चाहता। संघर्षविराम की घोषणा हो चुकी है, डीजीएमओ बात कर रहे हैं, देखते हैं क्या होता यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य में सभी पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़कर चले गए हैं, सिद्धरमैया ने कहा कि मैसूरू में केवल तीन बच्चे हैं और बाकी सभी चले गए हैं। उन्होंने कहा कि तीनों बच्चों की उम्र छह साल से कम है, उनकी मां भारतीय और पिता पाकिस्तानी है। उन्होंने कहा, ''तीनों बच्चे सीमा पर गए थे और जब कोई उन्हें लेने नहीं आया तो वे वापस लौट आए। अब वे अपनी मां के साथ हैं।

ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाने का किया प्रयास : पायलट

जयपुर। पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के चले रहे संघर्ष को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप पर कांग्रेस पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। सचिन पायलट ने कहा कि ट्रंप की युद्ध विराम की घोषणा कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाने का प्रयास है। कांग्रेस ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की अपनी मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने एक बार फिर दिखा दिया है कि वे किसी से कम नहीं हैं... पिछले 24 घंटों में घटनाओं की श्रृंखला तेजी से बदली है। हम इस तथ्य से हैरान हैं कि ट्रंप ने युद्ध विराम की घोषणा की, जो पहली बार हुआ है। कांग्रेस ने दोहराया कि देश में चल रही घटनाओं को देखते हुए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। पायलट ने कहा, हम 1994 में पारित उस ऐतिहासिक प्रस्ताव को फिर दोहराना चाहते हैं, जिसमें सभी दलों ने एकमत से पारित किया था कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और हम उसे वापस लेंगे।

सेनाओं ने पाकिस्तान को याद दिलाई उसकी औकात : राघव चड्ढा

» आप सांसद ने कहा- अपना इतिहास याद करे पाकिस्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता राघव चड्ढा ने पाकिस्तान की कमजोर मानसिकता का सबूत बताते हुए कहा, वो भूल गया कि भारत बुद्ध और गांधी की धरती होने के साथ-साथ अर्जुन, भीम, भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों की भी धरती है। राघव चड्ढा ने भारतीय सेना की तीनों शाखाओं-थल सेना, नौसेना और वायुसेना की तारीफ की, जो पूरे दमखम के साथ पाकिस्तान को उसकी औकात याद दिला रही हैं। उन्होंने कहा हमारी मिसाइलें और फाइटर जेट पाकिस्तान की छाती पर गरज रहे हैं। हमारा एयर डिफेंस सिस्टम उनकी मिसाइलों और ड्रोंस को मच्छर की तरह मसल रहा है।

उन्होंने कहा जिन आतंकवादियों ने रहम की भीख मांगती मांओं के सामने उनके कलेजे के टुकड़ों को छीना था, जिन आतंकवादियों ने पुलवामा से लेकर उड़ी तक हमारे लोगों पर नापाक नजर डाली थी, जिन आतंकवादियों ने 2008 में मुंबई में हमारे सैकड़ों निहत्थे और बेकसूर लोगों की बलि ली थी, जिन आतंकवादियों ने 2001 में हमारे लोकतंत्र के मंदिर संसद पर घिनौना हमला किया था, जिन आतंकवादियों ने 1993 में हमारी आर्थिक राजधानी मुंबई को सीरियल ब्लास्ट से दहला दिया था उन आतंकवादियों और उनकी नफरत भरी मानसिकता को हमारी सेना पूरे दम-खम के साथ नेस्तनाबूद करने में जुटी है। हमें बस एकजुट रहना है, हर मुसीबत में देश की कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बनना है।

उतार चढ़ाव से भरा रहा है कोहली का टेस्ट कॅरियर

» सीनियर खिलाड़ियों के चीकू और जूनियरों के लिए हैं भैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विराट कोहली बनना आसान नहीं है। यह बात उनके टेस्ट करियर में आए उतार चढ़ाव से साबित होती है। कोहली ने 14 साल के अपने करियर में कई उतार चढ़ाव देखे। इसका जिक्र उन्होंने संन्यास को लेकर अपने पोस्ट में भी किया। उन्होंने कहा कि इस प्रारूप ने उन्हें जो खुशी और साथ-साथ जो सबक दी है, उसे वह जिंदगी भर याद रखेंगे। कोहली ने 2011 में वनडे विश्व चैंपियन बनने के बाद टेस्ट डेब्यू किया था। डेब्यू अच्छा नहीं रहा, लेकिन कप्तान और कोच के भरोसे से उन्हें आगे भी मौके मिले।

वह अपने देश के लिए अपने पहले ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक तक से भिड़ गए। कोहली की कप्तानी में भारत ने 68 में से 40 टेस्ट जीते, 17 हारे और 11 ड्रॉ खेले। इससे साबित होता है कि कोहली की टीम अतीत की भारतीय टीमों से कितनी अलग थी। हालांकि, संन्यास से पहले फिर एक समय ऐसा भी आया जब वह इस प्रारूप में शतक के लिए जूझते दिखे। टेस्ट में कभी उनका औसत 50 से ऊपर था, जो पिछले कुछ वर्षों में काफी गिरा और 50 के अंदर आ गया। 2011 वनडे विश्व कप जीतने के बाद कोहली ने 20 जून को टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। कोहली को सीनियर खिलाड़ी प्यार से चीकू नाम से पुकारते हैं। वहीं, जूनियर खिलाड़ियों के लिए वह विराट भैया हैं। कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम करीब सात दशक में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी। कोहली ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीतने वाले पहले एशियाई कप्तान बने। अब भारत की नई पीढ़ी पर इस टीम जिम्मेदारी होगी जिसमें शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, पंत, ध्रूव जुरेल और शहबाज खान के नाम प्रमुख हैं।

गिल और पंत में कौन होगा नया टेस्ट कप्तान?

मुंबई। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद इस प्रारूप में टीम इंडिया के नए कप्तान को लेकर जद्दोजहद जारी है। भारत को अगले महीने से इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे पहले बीसीसीआई को टीम का चयन करना है। हालांकि, नया कप्तान कौन बनेगा इसको लेकर अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। इस रेस में जसप्रीत बुमराह और शुभमन गिल के रूप में दो खिलाड़ी थे, लेकिन बुमराह ने कथित तौर पर अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ से खुद को बाहर कर लिया है। अब यह रेस गिल और ऋषभ पंत के बीच है। बुमराह के दौड़ से बाहर होने के बाद जिस भी खिलाड़ी को कप्तान के रूप में नहीं चुना जाता है, उसे उप-कप्तान नामित किए जाने की उम्मीद है। इंग्लैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम की आधिकारिक घोषणा 24 मई तक होने की उम्मीद है।

नहीं रहे वरिष्ठ पत्रकार के. विक्रम राव

» वरिष्ठ पत्रकारों ने की शोक सभा, किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वरिष्ठ पत्रकार के विक्रम राव का सोमवार को 87 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी सुधा राव, दो बेटे सुदेव और विश्वदेव और एक बेटी विनीता हैं। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को सुबह 10 बजे बैकुंठ धाम में किया गया। उनके निधन पर राजनीतिक नेताओं और मीडिया जगत की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, मंडल अध्यक्ष शिवशरण सिंह और यूपी प्रेस क्लब अध्यक्ष रवींद्र कुमार सिंह ने राव को श्रद्धांजलि दी।

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के पूर्व सचिव रामदत्त त्रिपाठी ने राव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह असाधारण सांगठनिक और लेखन कौशल के पत्रकार थे, उनका निधन पत्रकार समुदाय के लिए बड़ी क्षति है। 29 मई, 1938 को नई दिल्ली में जन्मे राव नौ राज्यों में टाइम्स ऑफ इंडिया यूपी समेत कई राज्यों में पत्रकारिता की और वॉयस ऑफ अमेरिका के साउथ एशिया ब्यूरो में 15 साल तक काम किया। उन्होंने कई किताबें भी लिखीं। वह छह साल तक भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य रहे और आपातकाल के दौरान 13 महीने तक देश भर की पांच जेलों में बंद रहे।

छह साल तक भारतीय प्रेस परिषद के सदस्य रहे

नेताओं व अन्य लोगों ने दी श्रद्धांजलि

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के उनके समकक्ष पुष्कर सिंह धामी, यूपी के पूर्व राज्यपाल राम नाईक, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, सपा के वरिष्ठ पदाधिकारी शिवपाल सिंह यादव, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने राव के निधन पर दुख व्यक्त किया। वरिष्ठ पत्रकार और इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईएफडब्ल्यूजे) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के विक्रम राव का निधन पत्रकारिता जगत के लिए एक गहरी क्षति है। मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। मैं श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें। ओम शांति, सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया।

नीतीश को अपने मंत्रियों का नाम तक याद नहीं : मुकेश

» राजद विधायक ने सीएम पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली। वैशाली जिले के महुआ के राजद विधायक मुकेश रोशन ने कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपने ही मंत्रिमंडल के किसी मंत्री का नाम तक याद नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अचेत हैं और उनका दिमाग ठीक से काम नहीं कर रहा। मुकेश ने कहा कि मुख्यमंत्री बीमार हो चुके हैं और अगर बिहार को पिछले 20 सालों में सबसे पीछे धकेलने वाला कोई है, तो वह नीतीश कुमार हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे नेता ने बिहार में बेरोजगारी हटाने के लिए रथ यात्रा शुरू की थी। राजद विधायक अपने पार्टी द्वारा पूरे बिहार में चल रहे परिचर्चा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने विधानसभा क्षेत्र महुआ पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अब तेजस्वी यादव को बनाना चाहिए।

यूपी पुलिस का खौफ खत्म! चलती गाड़ी में युवतियों के साथ दुष्कर्म

» रात से सुबह तक मनचले करते रहे अभद्रता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बुलंदशहर। यूपी में बलात्कारियों पर योगी सरकार की पुलिस का खौफ खत्म हो चुका है। कानून व्यवस्था को दुरुस्त बताने का ढोल पीटने वाली भाजपा सरकार में अपराधी इतने बेखौफ हो गए हैं कि वह चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म कर रहें है योगी पुलिस को पता नहीं चल रहा या पता चलने के बाद वह रोक नहीं पार रही है। ऐसी ही एक मामला बुलंदशहर से आया है।

हाईवे पर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म और सहेली की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। बुलंदशहर पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता से पूछताछ की है, पूछताछ में किशोरी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उधर, कार से धक्का देकर फेंकी गई किशोरी की मौत की वजह भी साफ हो गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ हो गया कि मृतक के शरीर पर मिली चोट हादसे की हैं। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता ने पुलिस को शुरू से लेकर आखिर तक पूरी कहानी सुनाई है। उधर, पुलिस ने जब मृतका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट चेक की तो उसके शरीर पर 12 जगह चोट के निशान पाए गए हैं। यह सभी चोट दुर्घटना की हैं। आशंका जताई जा रही है कि कार से फेंके जाने के बाद किशोरी को किसी अन्य वाहन ने टक्कर मारी होगी। अधिकारियों का कहना है कि संबंधित क्षेत्र के भी सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं।

सूरजपुर से दोनों सहेलियों को कार में बैठाया

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके जानकार अमित और संदीप ने ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर से दोनों सहेलियों को कार में बैठाया था। फिर गाजियाबाद के लालकुआं पहुंचे, वहां से तीसरे आरोपी गौरव को साथ लिया। इसके बाद तीनों आरोपियों ने बीयर पी।

जबरन सहेलियों को पिलाई बियर

दोनों सहेलियों को भी जबरन बियर पिलाई गई। वहां से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे होते हुए पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर पहुंच गए। आरोपियों ने बागपत के पास कहीं खाना खाने की बात कही थी। तभी एक आरोपी ने वहीं एक होटल में चलने की बात कही। इसी दौरान उनसे छेड़छाड़ शुरू कर दी।

सहेली भिड़ी तो कार से फेंका

विरोध करने पर हाथापाई शुरू कर दी। तब तक कार एक्सप्रेसवे से उतरकर बागपत-मेरठ रोड पर आ चुकी थी। सहेली ने उनसे भिड़ने की कोशिश की तो आरोपियों ने धक्का देकर उसे कार से नीचे फेंक दिया। उस वक्त रात करीब डेढ़ बज चुके थे।

धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही सीमावर्ती राज्यों की जिंदगी

» हमले के बाद अब स्थिति हुई सामान्य, फिर से छात्रों के लिए खोले गए स्कूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। दोनों देशों के बीच की पैदा हुई तनाव की स्थिति को रोकने के लिए युद्ध विराम की घोषणा की गई थी। इसके तीन दिन बाद जम्मू कश्मीर, राजस्थान व पंजाब के कई इलाकों में अब जन जीवन सामान्य हो गया है। जम्मू कश्मीर के रियासी में जनजीवन अब पटरी पर लौटने लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स में सुबह के समय छात्र स्कूल जाते दिखाई दिए है।

हालांकि, सांबा जिले के एक सीमावर्ती गांव के स्थानीय निवासियों को पाकिस्तानी सेना का डर सता रहा है, क्योंकि सोमवार रात को विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं और एक घर में छर्रे लगे। पाकिस्तान की गोलाबारी के कारण प्रभावित घर की छत और रसोईघर क्षतिग्रस्त हो गया है। स्थानीय निवासी दलबीर सिंह ने बताया कि पाकिस्तान की गोलाबारी के कारण लगातार भय बना हुआ है। कल रात हमें कुछ पता नहीं था, लेकिन हमने शोर सुना। सुबह हमने देखा कि यह हुआ है। हालांकि, ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। जब विस्फोट हुआ तो हम सब घर पर थे। बाद में पुलिस आई और स्थिति का जायजा लिया। डर का माहौल है। एक अन्य स्थानीय व्यक्ति कृष्ण चंद ने बताया कि जब विस्फोट हुआ तब वह बाहर बैठे थे। कल रात हमें कुछ पता नहीं था, लेकिन हमने शोर सुना। सुबह हमने देखा कि यह घटना हुई है। हालांकि, ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। विस्फोट के समय हम सभी घर पर थे। बाद में पुलिस आई और स्थिति का जायजा लिया। वहां डर का माहौल है। एक अन्य सीमावर्ती गांव के स्थानीय निवासी प्रखर सिंह ने कहा, जब ड्रोन से गोलीबारी हुई, तो मैं अपने बच्चों को शांत करने की कोशिश कर रहा था। पाक मानने को तैयार नहीं है।

भारतीय वायु रक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोनों को रोका

सोमवार शाम को सांबा में ब्लैकआउट के बीच भारतीय वायु रक्षा बलों ने पाकिस्तानी ड्रोनों को रोका, जिसके बाद लाल धारियां देखी गईं और विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। सेना के सूत्रों ने बताया कि सांबा सेक्टर में कुछ संख्या में ड्रोन आए थे, जिन पर कार्रवाई की जा रही है। सेना के सूत्रों ने बताया कि तुलनात्मक रूप से सांबा सेक्टर में बहुत कम संख्या में ड्रोन आए हैं और उन पर कार्रवाई की जा रही है तथा इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

पाक का कबूलनामा- जवाबी कार्रवाई में सेना के 11 जवान मारे गए, 78 घायल

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की। अब पाकिस्तान ने कबूल किया है कि भारत की कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के 11 जवान मारे गए, जबकि 78 जवान घायल हुए हैं, इसमें 5 एयर फोर्स के अधिकारी भी शामिल हैं। पाकिस्तान ने बताया है कि पाकिस्तान आर्मी के अब्दुल रहमान, दिलावर खान, इकरामुल्ला, खालिद, मुहम्मद अदील अकबर, और निसार मारे गए हैं, जबकि पाकिस्तान वायु सेना के स्क्वाइन लीडर उस्मान यूसुफ, मुख्य तकनीशियन औरंगजेब, चीफ तकनीशियन नजीब, कॉर्पोरल तकनीशियन फारूक और सीनियर तकनीशियन मुबाशिर की मौत हुई है। पाकिस्तान के स्क्वाइन लीडर उस्मान यूसुफ सहित जो पाकिस्तानी वायुसेना के कुल पांच वायुसैनिक मारे गए हैं, वे सभी जकोकाबाद एयरबेस (सिंध प्रांत) में तैनात थे।

शोपियां में मुठभेड़ तीन आतंकी ढेर

» और आतंकियों के फंसे होने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। मंगलवार को शोपियां के जिनपाथर केलर इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ के बाद लश्कर-ए-तैयबा तीन आतंकवादी मारे गये। पहले काफी समय से भारत और पाकिस्कान के बीत हालात खराब है। पहलगाम हमले के बाद से ही दोनों देशों में युद्ध जैसी स्थिति बनीं हुई थी। चार दिनों के तेज अटैक के बाद दोनों देशों के बीत सीजफायर हो गया है लेकिन छोटी-छोटी घटनाए घच रहीं हैं।

यह घटनाक्रम सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों - आदिल हुसैन थोकर, अली भाई और हाशिम मूसा के आतंक मुक्त कश्मीर पोस्टर लगाए जाने के कुछ ही समय बाद हुआ है - माना जा रहा है कि इन आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में अहम भूमिका निभाई थी। सुरक्षा एजेंसियों ने आश्वासन दिया है कि मुखबिर की पहचान गुप्त रखी जाएगी। इससे पहले सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकी हमले में शामिल होने के संदेह में तीन लोगों के स्केच जारी किए थे। अधिकारियों ने बताया कि ये सभी पाकिस्तानी हैं और इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा हैं।

आदमपुर एयरबेस पर सैनिकों से पीएम ने की मुलाकात

सुबह-सुबह प्रधानमंत्री मोदी पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे। वहां उन्हें वायुसेना के जवानों ने जानकारी दी और जवानों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री द्वारा पाकिस्तान को दिए गए सख्त और स्पष्ट संदेश के एक दिन बाद, जम्मू-कश्मीर और सीमावर्ती शहरों में भी संघर्ष विराम व्यवस्था बरकरार रही। सोमवार रात को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पीएम ने कहा कि भारत ने इस्लामाबाद के आतंकवादियों और सैन्य ठिकानों के खिलाफ अपनी जवाबी कार्रवाई को रोक दिया है, इसे समाप्त नहीं किया है।

जहीरीली शराब पीने से 14 की मौत

» अमृतसर में हुआ दर्दनाक हादसा, मेन सप्लायर गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर (पंजाब)। पंजाब के मजीठा विधानसभा क्षेत्र के गांवों भंगाली, धरीएवाल और मराडी कलां में जहरीली शराब ने तांडव मचा दिया। जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हो गई। हादसा सोमवार देर रात हुआ। 14 लोगों की मौत से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। यह पंजाब में तीन साल में चौथी बड़ी जहरीली शराब त्रासदी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान आज मजीठा का दौरा करेंगे। मान ने इस हादसे पर कहा कि मजीठा के आस पास के गांवों में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत की दुखद खबर मिली है।

मासूम लोगों के इन हत्यारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ये मौतें

नहीं, कत्ल हैं। जहरीली शराब से लोगों के घरों में मातम का माहौल बनाने वाले इन दोषियों को कानून के मुताबिक सख्त से सख्त सजा दी जाएगी। मैं परमात्मा से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हर संभव मदद की जाएगी। एसएसपी अमृतसर मनिंदर सिंह ने बताया कि कल रात करीब 9:30 बजे सूचना मिली कि नकली शराब पीने से लोगों की मौत हो रही है।

शहर को गंदगी की ओर ढकेल रही हैं प्राइवेट संस्थाएं

» जोनल अधिकारी जुर्माना लगाने में जुटे

» पार्षदों ने पहले ही एलएसए कंपनी का किया था विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर की सफाई न होने से नाराज जनता ने जोनल अधिकारी से शिकायत की। मौके पर पहुंचे जोनल अधिकारी ने निरीक्षण किया तो गंदगी का अंबार लगा हुआ था। जिसको देख जोनल अधिकारी मनोज यादव भड़क उठे। मौके पर सफाई कराते हुए जुर्माने की चेतावनी भी दी। बीते कुछ दिन पूर्व में भी कूड़े को बेचते हुए कुछ कर्मचारियों को मौके पर पकड़ा भी गया साथ हो 25000 का जुर्माना भी लगाया गया था।

उसके बावजूद भी प्राइवेट कंपनी अपनी ही मनमानी करती नजर आ रही है जोन-6 के अंतर्गत सोमवार सुबह 7 बजे जोनल अधिकारी

जोन-6 ने वार्ड कन्हैया माधोपुर द्वितीय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान आदर्श नगर के मोहल्लों में घर-घर जाकर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और नालियों की सफाई की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि लखनऊ स्वच्छता अभियान की टीम सभी घरों से नियमित रूप से कूड़ा नहीं उठा रही है। इसके कारण लोग घरों के बाहर कूड़ा फेंकने पर मजबूर हैं, जिससे गंदगी फैल रही है। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए मौके पर ही जोनल मैनेजर को बुलाया गया और सात दिन के अंदर व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित संस्था के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कई बार चेतावनी देने के बावजूद कोई सुधार नहीं

इसके अलावा, क्षेत्र में कार्यरत एजेंसी वर्षा एंटरप्राइजेज को भी कई बार चेतावनी देने के बावजूद कोई सुधार नहीं दिखा। इस कारण संस्था पर 25,000 का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संस्था के सुपरवाइजर का 15 दिनों का वेतन भी काटने का आदेश दिया गया है। इसी प्रकार वार्ड हैदरगंज प्रथम का भी निरीक्षण किया गया। वहां पर समय पर नालियों की सफाई नहीं हुई थी और जगह-जगह कूड़ा पड़ा मिला। इस पर वहां कार्यरत संस्था एफबी ट्रेड पर भी 25,000 का जुर्माना लगाया गया है। इस संस्था के सुपरवाइजर का भी 15 दिनों का वेतन काटने का आदेश जारी किया गया है। प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि संबंधित संस्थाओं के कार्य में सुधार नहीं होता है, तो उन्हें तीन बार नोटिस देने के बाद ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा। यह निरीक्षण स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और शहर को साफ-सुथरा रखने के उद्देश्य से किया गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।